भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 18 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से, 18 अगस्त को तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिण ओडिशा, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 18 और 19 अगस्त को कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र और तटीय कर्नाटक; 19 और 20 अगस्त को गुजरात राज्य में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
ii) अगले 3-4 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय और आसपास के मध्य भारत में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 18 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- कोंकण, तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, केरल, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरी हरियाणा, उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश, अंडमान द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, असम, मणिपुर, बिहार, पश्चिम मध्य प्रदेश, गोवा और सौराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण में चल रही है।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों से दूर बंगाल की खाड़ी के पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र उसी क्षेत्र में सुबह 0530 बजे IST पर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल गया और आज, 18 अगस्त 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना रहा। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान एक अवदाब में केंद्रित होने और 19 अगस्त 2025 की दोपहर के आसपास दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की संभावना है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर भारतीय क्षेत्र में अक्षांश 19°N के साथ एक कतरनी क्षेत्र मोटे तौर पर चल रहा है जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- निचले क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक गर्त के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मोटे तौर पर अक्षांश 30°N के उत्तर में देशांतर 65°E के साथ चलता है।
- इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पश्चिम भारत:

- कोकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 18 और 19 अगस्त को; गुजरात राज्य में 19 और 20 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- मध्य महाराष्ट्र, कोकण (मुंबई सहित) और गोवा में 18 से 20 अगस्त तक; गुजरात राज्य में 18 से 22 अगस्त तक और मराठवाड़ा में 18 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- कोकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य में अगले 7 दिनों तक और मराठवाड़ा में अगले 2 दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- क्षेत्र में 22 अगस्त तक तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी प्रति घंटा) की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय कर्नाटक में 18 और 19 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 18 अगस्त को और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 19 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- तमिलनाडु में 18 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, कर्नाटक, रायलसीमा, तेलंगाना और केरल और माहे में 18 से 20 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; केरल और माहे में 18 और 19 अगस्त को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 18 अगस्त को; तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 19 अगस्त को और तटीय कर्नाटक में 20 अगस्त को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 19 अगस्त तक तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी प्रति घंटा) की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक रायलसीमा, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- दक्षिण ओडिशा और दक्षिण छत्तीसगढ़ में 18 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अगले 7 दिनों तक; विदर्भ में 18 से 20 अगस्त तक; ओडिशा में 18 और 19 अगस्त को, 22 से 24 अगस्त तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 20 से 22 अगस्त तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 18 अगस्त को, 21 से 24 अगस्त तक; झारखंड में 21 से 24 अगस्त तक; बिहार में 20 से 24 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में 23 और 24 अगस्त को; पूर्व मध्य प्रदेश में 21 से 24 अगस्त तक; विदर्भ में 18 और 19 अगस्त को और बिहार में 22 अगस्त को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू-कश्मीर में 18, 19 और 22 से 24 अगस्त को; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान में अगले 7 दिनों तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश में 18 अगस्त को, 22 से 24 अगस्त तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 21 से 24 अगस्त तक; पश्चिम राजस्थान में 21 और 22 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; जम्मू और कश्मीर में 18 अगस्त को; उत्तराखंड में 23 और 24 अगस्त को; पूर्वी राजस्थान में 21 और 22 अगस्त को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में अगले 7 दिनों तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश में अगले 7 दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; अरुणाचल प्रदेश में 20 से 24 अगस्त तक; त्रिपुरा, मिजोरम में 21 से 24 अगस्त तक और असम और मेघालय में 20, 23 और 24 अगस्त को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 3 दिनों तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 18 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

अरब सागर: मध्य अरब सागर और आसपास के दक्षिण-पश्चिम अरब सागर में गुजरात, कोकण, गोवा तटों के साथ और उसके आसपास 18 से 22 अगस्त तक; मध्य अरब सागर और आसपास के क्षेत्रों के अधिकांश हिस्सों में 22 अगस्त को; उत्तर-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों में, सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 18 से 23 अगस्त तक; कोमोरिन क्षेत्र में 18 अगस्त को; लक्षद्वीप क्षेत्र में, केरल तट के साथ और उसके आसपास 18 से 20 अगस्त तक; कर्नाटक तट में 18 से 21 अगस्त तक न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी: श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास; बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में, तमिलनाडु तट के साथ और उसके आसपास 18 से 20 अगस्त तक; पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में 21 अगस्त को; उत्तर बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों के कई हिस्सों में 22 अगस्त को; आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके आसपास 18 से 22 अगस्त तक; ओडिशा तट के साथ और उसके आसपास 18 से 21 अगस्त तक, दक्षिण ओडिशा तट में 21 अगस्त को; पश्चिम बंगाल तट के साथ और उसके आसपास 18 से 21 अगस्त तक; मन्नार की खाड़ी में 18 से 21 अगस्त तक और अंडमान सागर में 18 अगस्त को न जाएँ।

ii. 18 से 21 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **कोंकण और गोवा**: सावरदे-अर्ग (जिला रत्नागिरी) 28; म्हासला (जिला रायगढ़) 21; दापोली एआरजी (जिला रत्नागिरी) 19; वाकवाली एआरजी (जिला रत्नागिरी) 18; कंकवली (जिला सिंधुदुर्ग) 17; खेड़ (जिला रत्नागिरी), संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी) 16 प्रत्येक; हरनाई आईएमडी (जिला रत्नागिरी), रत्नागिरी (जिला रत्नागिरी) 15 प्रत्येक; मडगांव (जिला दक्षिण गोवा), राजापुर (जिला रत्नागिरी), लांजा (जिला रत्नागिरी) 13 प्रत्येक; पनवेल एआरजी (जिला रायगढ़), रोहा (जिला रायगढ़) 12 प्रत्येक; टीबीआई आईएमडी पार्ट टाइम (जिला ठाणे), गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी), मंडनगढ़ (जिला रत्नागिरी), चिपलून (जिला रत्नागिरी), वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), पोलादपुर (जिला रायगढ़) 11 प्रत्येक; सांताक्रूज़ (जिला मुंबई उपनगर), श्रीवर्धन (जिला रायगढ़), कैनाकोना (जिला दक्षिण गोवा), पेरनेम (जिला उत्तरी गोवा), सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग), मापुसा (जिला उत्तरी गोवा), भीरा - आईएमडी पार्ट टाइम (जिला रायगढ़) 10 प्रत्येक; मनगांव (जिला रायगढ़), माथेरान (जिला रायगढ़), मोरमुगाओ - पीएमओ आईएमडी (जिला दक्षिण गोवा), महाड (जिला रायगढ़), ताला (जिला रायगढ़), रामेश्वर एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) 9 प्रत्येक; सुधागढ़ पाली (जिला रायगढ़), मुरुद (जिला रायगढ़), कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग), पेन (जिला रायगढ़), डाबोलिम एन.ए.एस.- नेवी (जिला दक्षिण गोवा), पंजिम (जिला उत्तरी गोवा) 8 प्रत्येक; ठाणे (जिला ठाणे), मुल्दे एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), अवलेगांव - एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), वसई (जिला पालघर) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक:** कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 24; जगलबेट (जिला उत्तर कन्नड़) 17; सिद्दापुरा (जिला उडुपी), गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 14 प्रत्येक; मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 12; येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़) 9; होनावर (जिला उत्तर कन्नड़) 8; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), कारवार (जिला उत्तर कन्नड़), अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: वारगल (जिला सिद्दीपेट) 23; अल्लादुर्ग (जिला मेडक) 22; निज़ाम सागर (जिला कामारेड्डी) 21; कौडिपल्ले (जिला मेडक) 17; पितलम (जिला कामारेड्डी) 16; वेंकटपुरम (जिला मुलुगु), येलारेड्डी (जिला कामारेड्डी), टेकमल (जिला मेडक) 15 प्रत्येक; कोटगिरि (जिला निज़ामाबाद), आत्मकूर एम (जिला वाई भुवनागिरि) 14 प्रत्येक; नरसापुर (जिला मेडक), रेगोडे (जिला मेडक) 13 प्रत्येक; बोधन (जिला निज़ामाबाद), पापन्नापेट (जिला मेदक), वर्णी (जिला निज़ामाबाद) 12 प्रत्येक; बिरकूर (जिला कामारेड्डी) 11; डिंडीगुल (जिला एम. मल्काजगिरि), हथनूर (जिला संगारेड्डी), गजवेल (जिला सिद्दीपेट), देवरुप्पल (जिला जनगांव) 10 प्रत्येक; जोगिपेट (जिला संगारेड्डी), भुवनगिरि (जिला वाई. भुवनगिरि), मेडक (जिला मेडक), बांसवाड़ा (जिला कामारेड्डी), यादगिरिगुट्टा (जिला वाई. भुवनगिरि), नागा रेड्डीपेट (जिला कामारेड्डी), शमीरपेट (जिला एम. मल्काजगिरि) 9 प्रत्येक; येदा पल्ले (जिला निज़ामाबाद), वानापर्थी (जिला वानापर्थी), चेगुंटा (जिला मेडक), जगदेवपुर (जिला सिद्दीपेट), यादगिरिगुट्टा (एआरजी) (जिला वाई. भुवनगिरी) 8 प्रत्येक; जुक्कल (जिला कामारेड्डी), नारायणपेट (जिला नारायणपेट), मदनूर (जिला कामारेड्डी), मेडचल (जिला एम. मल्काजगिरि), नारायणखेड (जिला संगारेड्डी), पेद्दामंदडी (जिला वानापर्थी), कोठाकोटा (जिला वानापर्थी) 7 प्रत्येक;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 19; श्रृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु), जयापुरा (जिला चिक्कमगलुरु) 13 प्रत्येक; कोप्पा (जिला चिक्कमगलुरु) 11; कम्मारडी (जिला चिक्कमगलुरु) 9; बालेहोन्नूर (जिला चिक्कमगलुरु), कलासा (जिला चिक्कमगलुरु) 8 प्रत्येक;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम**: पाडेरु (जिला अल्लुरी सीतारमारजू) 16; चोदावरम (जिला अनकापल्ली) 14; वेपाडा (जिला विजयनगरम), भीमुनिपट्टनम (जिला विशाखापत्तनम) 13 प्रत्येक; अनाकापल्ली (जिला अनाकापल्ली) 12; नरसीपट्टनम (जिला अनकापल्ली), विशाखापत्तनम एपी (जिला विशाखापत्तनम) 11 प्रत्येक; येलमंचिली (जिला अनाकापल्ली), विशाखापत्तनम (जिला विशाखापत्तनम) 10 प्रत्येक; श्रृंगवारापुकोटा (जिला विजयनगरम), मंदासा (जिला श्रीकाकुलम) 8 प्रत्येक; रणस्तलम (जिला श्रीकाकुलम), तुनी (जिला काकीनाडा), मेंटाडा (जिला विजयनगरम) 7 प्रत्येक;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: जी बाजार (जिला नीलगिरी), ऊपरी गुडलूर (जिला नीलगिरी) 14 प्रत्येक; चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर), देवाला (जिला नीलगिरी) 9 प्रत्येक; शोलायार (जिला कोयंबटूर), वर्थ एस्टेट चेर (जिला नीलगिरी) 8 प्रत्येक; वालपराई तालुक कार्यालय (जिला कोयंबटूर), नाडुवट्टम (जिला नीलगिरी), एवलांच (जिला नीलगिरी), ग्लेनमॉर्गन (जिला नीलगिरी), वालपराई पैप (जिला कोयंबटूर), बारवुड (जिला नीलगिरी), नालुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 7 प्रत्येक;
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: नकुड़ (जिला सहारनपुर) 14; रामपुर मनिहारान (जिला सहारनपुर) 8;
- **मध्य महाराष्ट्र**: गगनबावाड़ा (जिला कोल्हापुर) 14; महाबलेश्वर (जिला सतारा), राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 12 प्रत्येक; शाहुवाड़ी (जिला कोल्हापुर), लोनावाला एआरजी (जिला पुणे) 7 प्रत्येक; ओडिशा: कोटपाड (जिला कोरापुट) 13; मलकानगिरि (जिला मलकानगिरि) 11; पात्रपुर (जिला गंजम), कोरुकुंडा (जिला मलकानगिरी) 9 प्रत्येक; कोसागुमदा (जिला नवरंगपुर) 8; पुरूषोत्तमपुर (जिला गंजम), गोसानी (जिला गजपति), पोलसारा (जिला गंजम), कोडाला (जिला गंजम), चित्रकुंड के गुमा (जिला मलकानगिरी) 7 प्रत्येक;

- **केरल और माहे**: पदिंजरथरा बांध एडब्ल्यूएस (जिला वायनाड) 13; विट्टिरी (जिला वायनाड), अम्बालावायल (जिला वायनाड) 9 प्रत्येक; टेलिचेरी (जिला कन्नूर), मुन्नार केसेब (जिला इडुक्की), अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 7 प्रत्येक;
- **मराठवाड़ा**: अहमदपुर (जिला लातूर) 12; उदगीर - आईएमडी अंशकालिक (जिला लातूर), किनवट (जिला नांदेड़) 11 प्रत्येक; उदगीर (जिला लातूर) 10; कंधार (जिला नांदेड़) 9; मंझलेगांव (जिला बीड), नायगांव खैरगांव (जिला नांदेड़), परली वैजनाथ (जिला बीड) 8 प्रत्येक; चाकुर (जिला लातूर), भोकर (जिला नांदेड़), पालम (जिला परभणी), हिमायतनगर (जिला नांदेड़) 7 प्रत्येक;
- **उत्तराखंड**: नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टेहरी) 11; देवप्रयाग (जिला गढ़वाल टेहरी), रूड़की (जिला हरद्वार) 9 प्रत्येक; टेहरी (जिला गढ़वाल टेहरी), श्रीनगर (जिला गढ़वाल पौडी) 8 प्रत्येक; टेहरी (सीडब्ल्यूसी) (जिला गढ़वाल टेहरी), हरद्वार (जिला हरद्वार), धनोल्टी (जिला गढ़वाल टेहरी) 7 प्रत्येक;
- **छत्तीसगढ़**: छिंदगढ़ (जिला सुकमा) 10; सुकमा (जिला सुकमा), डौंडीलोहारा (जिला बालोद) 9 प्रत्येक; बकावंड (जिला बस्तर), बड़े बचेली (जिला दंतेवाड़ा) 8 प्रत्येक; कटेकल्याण (जिला दंतेवाड़ा), गादीरास (जिला सुकमा), दोरनापाल (जिला सुकमा) 7 प्रत्येक;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: माया बंदर (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 10;
- **हरियाणा**: प्रतापनगर आरईवी (जिला यमुनानगर) 10; जगाधरी (जिला यमुनानगर) 9;
- **सौराष्ट्र और कच्छ:** धोराजी (जिला राजकोट) 8;
- **विदर्भ**: मालेगांव (जिला वाशिम) 8;
- **बिहार**: कुटुम्बा (जिला औरंगाबाद) 8;
- **उप हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: नामथांग (जिला नामची) 8; बालुरघाट (जिला दक्षिण दिनाजपुर) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: लोंडा (जिला बेलगावी) 8;
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: चंदेल (जिला चंदेल) 8;
- **असम और मेघालय**: लखीपुर एआरजी (जिला कछार) 8; दलगांव एआरजी (जिला दरांग) 7;
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश:** भगवानपुरा (जिला खरगोन) 7.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Aug	19- Aug	20- Aug	21- Aug	22- Aug	23- Aug	24- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
7	ODISHA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
9	BIHAR	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	WS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	WS	FWS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

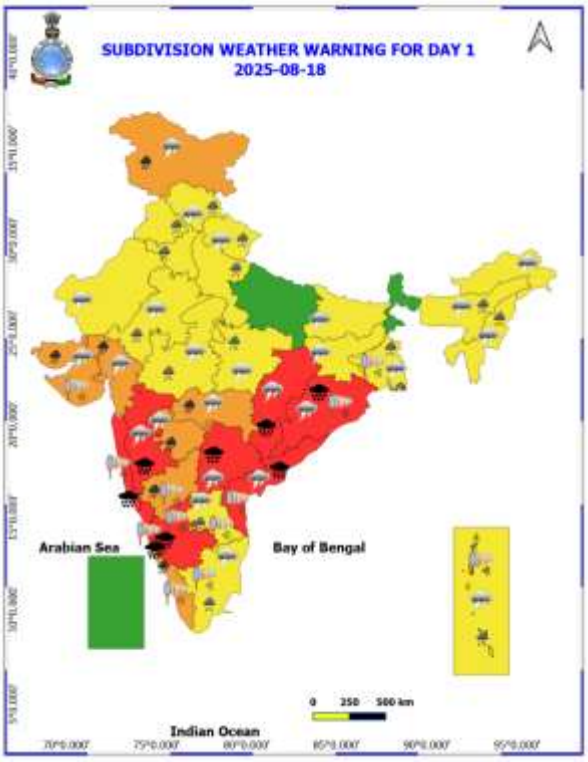
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

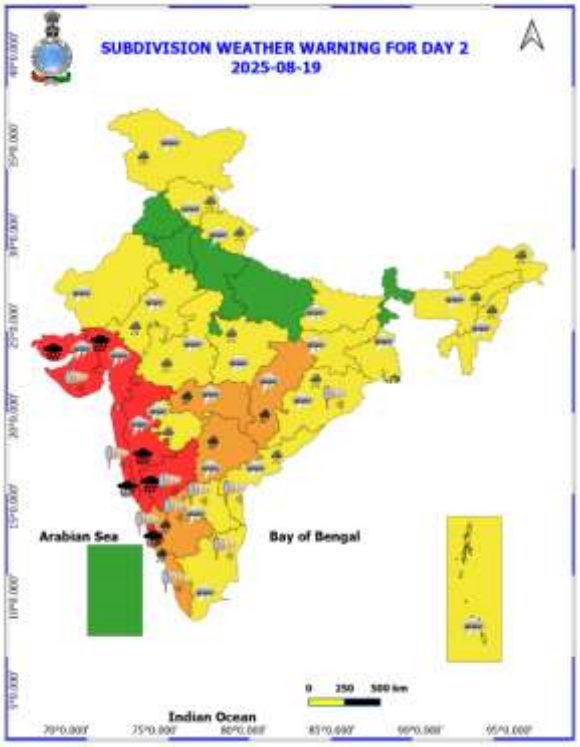
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

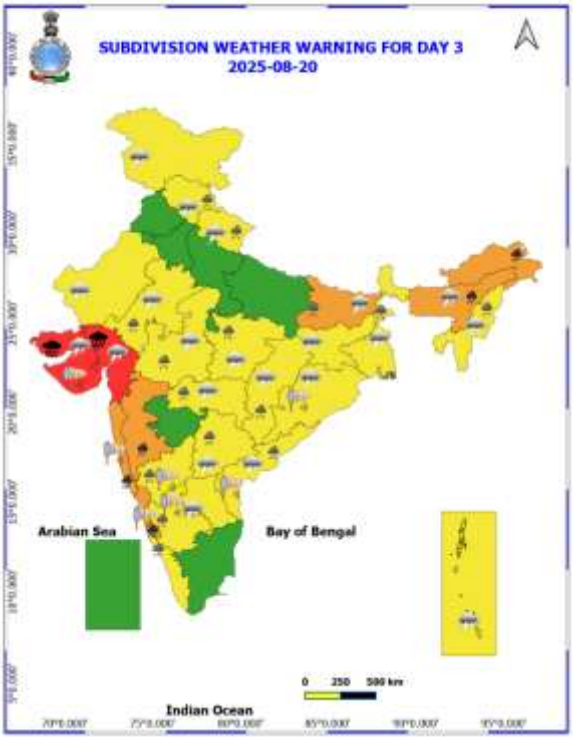
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

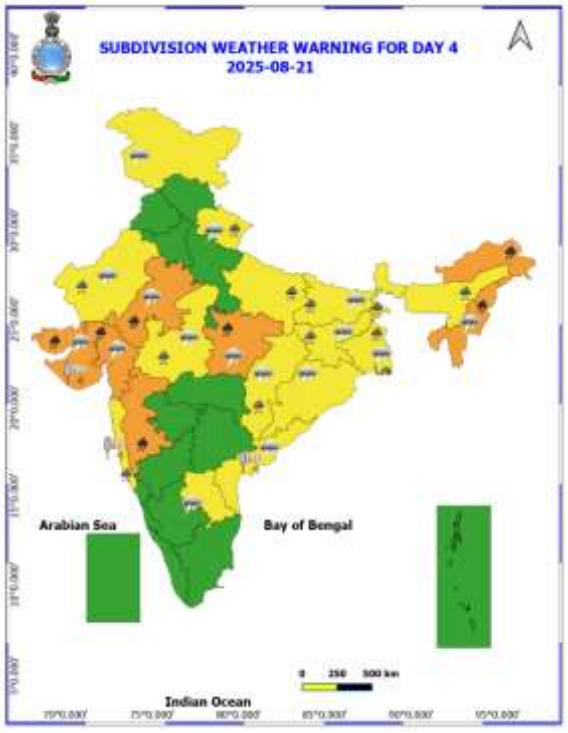

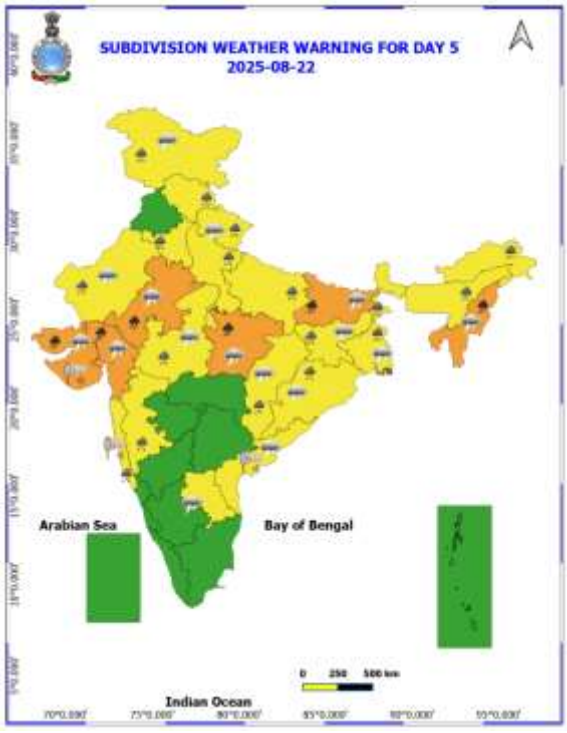

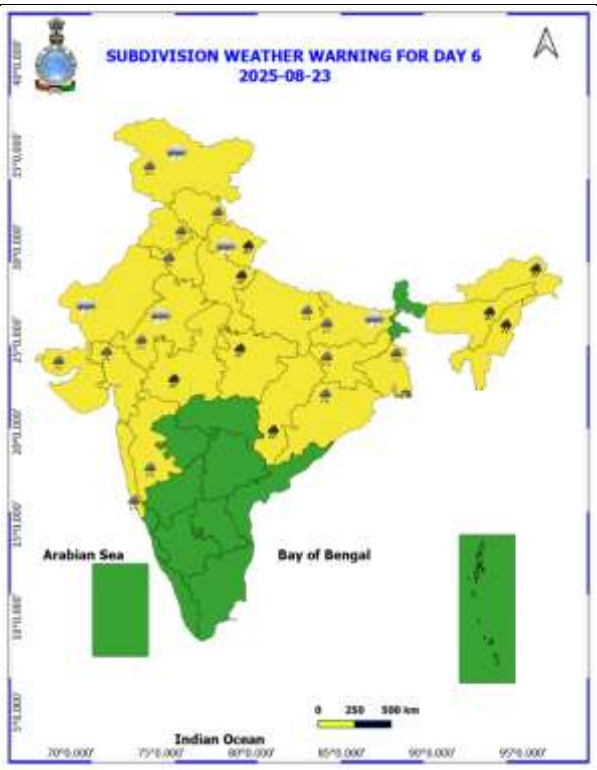

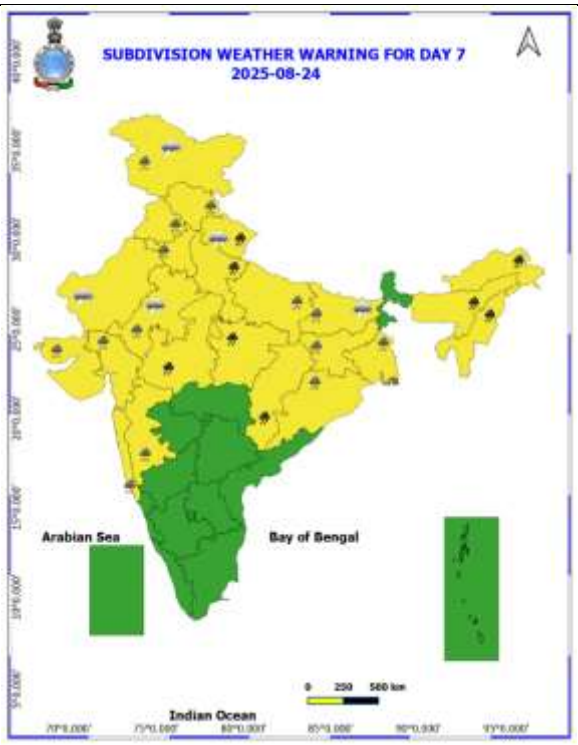

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 18 अगस्त से 21 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा। उत्तर-पूर्वी हवाएँ चलीं, जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक थी। दिल्ली में पिछले 24 घंटों में पूसा में अधिकतम 13 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज सुबह के समय सामान्य रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

18.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर में एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से और शाम व रात में पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना।

19.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ सुबह में पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति से और दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना। शाम और रात में हवा की गति 05-10 किमी प्रति घंटा तक कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से रहेगी।

20.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ सुबह और दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना। शाम और रात में हवा की गति 15-20 किमी प्रति घंटा तक बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से रहेगी।

21.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें होने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। प्रमुख सतही हवाएँ सुबह और दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से और शाम व रात में 05-10 किमी प्रति घंटा की गति से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 18 और 19 को कोंकण और गोवा; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, तटीय कर्नाटक; 19 और 20 को गुजरात राज्य; 18 को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना, दक्षिण ओडिशा और दक्षिण छत्तीसगढ़ और 19 अगस्त को उत्तर आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 18-20 के दौरान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 18-22 के दौरान गुजरात राज्य, 18 को मराठवाड़ा, जम्मू और कश्मीर; 18 और 19 को केरल और माहे, विदर्भ; 18 को उत्तर आंतरिक कर्नाटक; 19 को तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और 20 को तटीय कर्नाटक; 23 और 24 को पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड; 21-24 के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 22 को बिहार; 21 और 22 अगस्त को पूर्वी राजस्थान, 20-24 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश, 21-24 अगस्त के दौरान त्रिपुरा, मिजोरम और 20, 23 और 24 अगस्त को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों तथा कोंकण में धान के खेतों में 2.5 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखते हुए खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। मराठवाड़ा में, मूंग की कटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। जलभराव से बचाव हेतु, कोंकण में रागी, हल्दी, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में मक्का, मूंगफली, सोयाबीन एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; मराठवाड़ा में मूंगफली, उड़द, मूंग, सोयाबीन, कपास, अरहर, बाजरा, हल्दी, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; पश्चिम विदर्भ में सोयाबीन और कपास के खेतों से तथा पूर्व विदर्भ में धान, सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक प्रावधान करें।
- गुजरात में, दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; दक्षिण गुजरात क्षेत्र में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास और तिल के खेतों से तथा भाल और तटीय क्षेत्र में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें।
- मध्य प्रदेश में, सतपुड़ा पठार क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; मालवा पठार क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; निमाड़ घाटी क्षेत्र

में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों के खेतों में तथा विंध्य पठार क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, उड़द, कपास और अरहर के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

- छत्तीसगढ़ में, बस्तर पठार क्षेत्र में खरीफ मक्का, धान, लघु अनाज, दालों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- केरल में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा प्रदान करें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- कर्नाटक में, तटीय क्षेत्र में धान के खेतों एवं सुपारी और केले के बागानों में; पहाड़ी क्षेत्र में धान, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में तथा दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र में धान एवं मक्का के खेतों तथा सुपारी और नारियल के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- तेलंगाना में, उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों से तथा दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और नर्सरियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- आंध्र प्रदेश में, उत्तरी तटीय क्षेत्र में मक्का, कपास, गन्ना, धान, मेस्ता, अरहर, मूंग, उड़द और मूंगफली के खेतों से तथा अधिक ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ओडिशा में, पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र और दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र में, चावल, मक्का, मूंग, उड़द, अदरक, हल्दी, सब्जियों के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- जम्मू एवं कश्मीर में, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मक्का, दलहन, लोबिया, बाजरा, चारा फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें। मध्यवर्ती क्षेत्र में जलभराव से बचाव हेतु मक्का, दलहन और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। घाटी समशीतोष्ण क्षेत्र में, लौकी, खीरा, करेला आदि की बेलों और बेल वाले टमाटर के पौधों को उचित सहारा प्रदान करें। अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु मक्का के खेतों में जल निकासी नालियाँ बनाएं रखें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटरों की कटाई कर उन्हे सुरक्षित स्थान पर रखें तथा मक्का, राजमा, सब्जियों और बागों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, पहाड़ी क्षेत्र में, सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों से; और उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में बाजरा, रागी और पहले से बोई गई मूंग की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। नैनीताल जिले में चावल, मक्का, सोयाबीन, मूंग और सब्जियों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें।
- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में, मिर्च के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल को हटा दें। उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र में, गन्ना, मक्का, सोयाबीन और मूंग की फसलों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- हरियाणा में, पूर्वी क्षेत्र में, कपास और बाजरा की फसल के खेतों में सिंचाई स्थगित करें और अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी व्यवस्था बनाएं।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

19-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा संभव है। उत्तर आंतरिक कर्नाटक - बीदर, बीजापुर, गुलबर्गा और यादगीर जिले। तेलंगाना - जोगुलम्बा गडवाल, महबूबनगर, संगारेड्डी, विकाराबाद और वानापर्थी जिले। कोंकण और गोवा - उत्तरी गोवा, दक्षिणी गोवा, मुंबई शहर, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, उपनगरीय मुंबई और ठाणे जिले। मध्य महाराष्ट्र - अहमदनगर, कोल्हापुर, नासिक, पुणे, सांगली, सतारा और सोलापुर जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	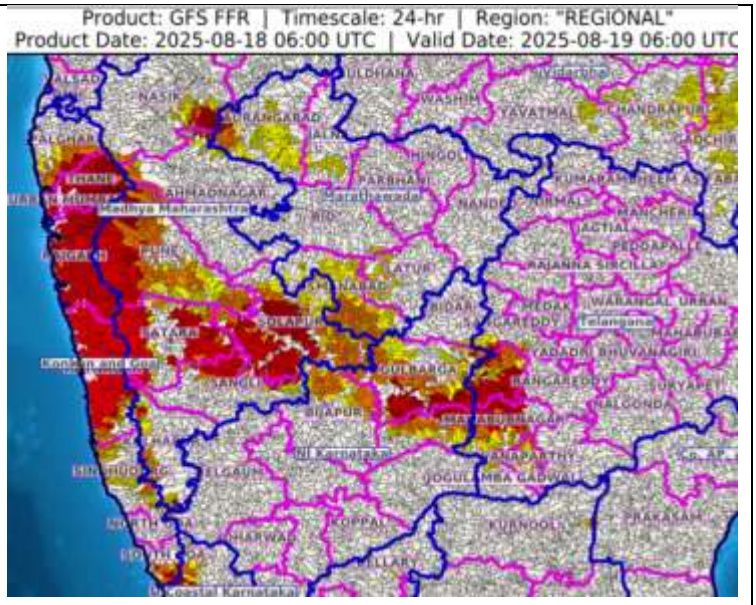
19-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ - दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर और राजनांदगांव जिले। विदर्भ - अमरावती, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया, वर्धा और यवतमाल जिले। मराठवाड़ा - औरंगाबाद, जालना, लातूर और उस्मानाबाद जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	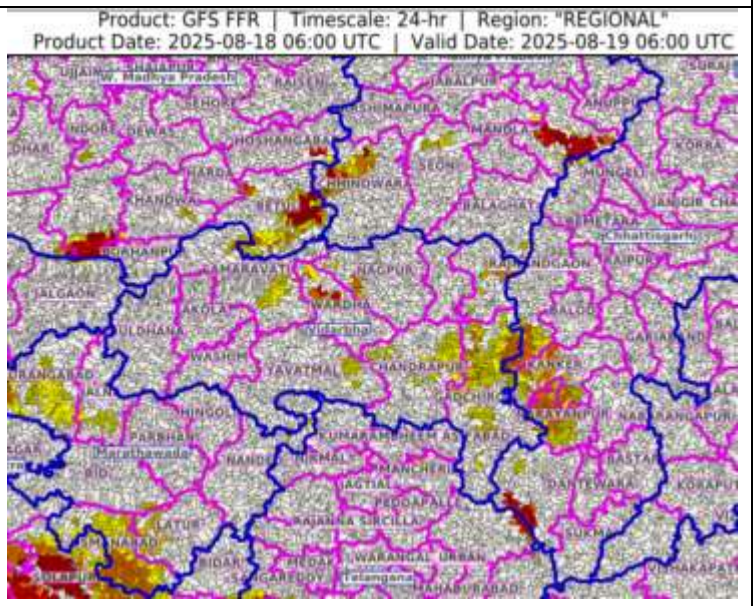

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

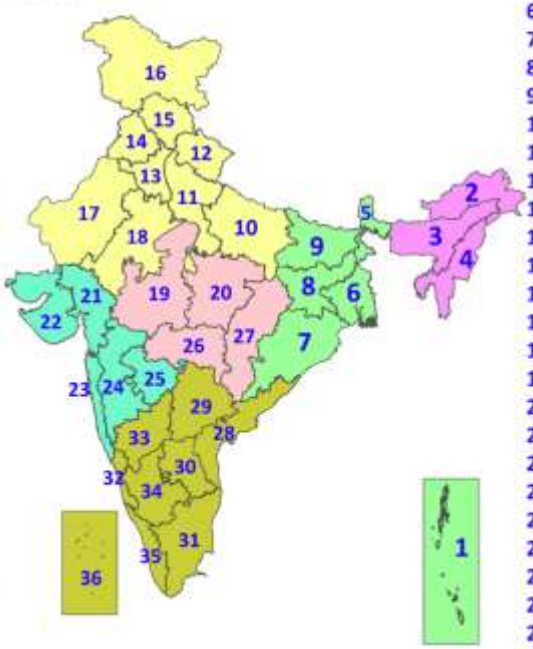

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)